गवाही

नेली म्लोत्श्वाः ठहरकर सुने – एक प्रभावशाली शिक्षिका

रिनेवल 2027 गवाहीः वर्तमान के ऐनाबैपटिस्ट

रिनेवल 2027 मेनोनाइट वर्ल्ड कॉफ्रेंस के फेथ एण्ड लाइफ कमीशन के द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की एक 10 वर्षीय श्रृंखला है जो ऐनाबैपटिस्ट आन्दोलन के आरम्भ को 500 वर्ष होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हैं। इस श्रृंखला में इतिहास से लेकर वर्तमान तक के अगुवों के जीवन पर प्रकाश डाला जा रहा है।

नेली म्लोत्शवा। फोटोः बारबरा न्काला

नेली एक ऐसी महिला हैं जिन्होंने ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च इन जिम्बाब्वे में अनेक प्रतिकूलताओं का सामना करने में प्रथम महिला होने का अवसर प्राप्त किया है। वे अपने जीवन भर एक महत्वपूर्ण गैरअभिषिक्त प्रचारिका रहीं हैं, विशेष रूप से काँफ्रेंसों जैसी बड़ी सभाओं में।

रेव्ह. पीटर मोंगामेली म्लोत्श्वा के साथ विवाह के 25 वर्ष बिताने के बाद नेली ने एक विधवा के रूप में अपना जीवन व्यतीत किया जब उनके पाँच बच्चे स्कूली शिक्षा ग्रहण कर ही रहे थे और जिन्हें देखभाल की आवश्यकता थी।

विधवा होने के बाद वे कलीसिया की सेवकाई में और अधिक सक्रिय हो गईं।

नेली जिम्बाब्वे में बीआईसी की पहली मूलनिवासी महिला थी जिन्होंने किसी बाइबल स्कूल में व्याख्याता के रूप में अपनी सेवाएं दी हों, उन्होंने यह कार्य कुल मिलाकर 22 वर्षों तक किया। वे पहले एक स्कूल की शिक्षिका थी, उन्होंने 1969 में इकुफिलेनी बाइबल इन्सटिट्यूट में सबसे पहली बार व्याख्यान दिया था।

नेली जिम्बाब्वे में बीआईसी की प्रथम महिला थी जिन्होंने 1992 में जिम्बाब्वे के बुलवायो में थियोलॉजिकल कॉलेज ऑफ जिम्बाब्वे में बैचलर ऑफ थियोलॉजी का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

नेली एकमात्र ऐसी महिला हैं जिन्हें किसी बाइबल कॉलेज का कार्यकारी प्राचार्य नियुक्त किया गया हो (2002–2005)। उन्होंने इकुफिलेनी बाइबल इन्सटिट्यूट के प्रमुख की भूमिका पूरी की जब जिम्बाब्वे में महामहंगाई अपनी चरम पर थी, और ''अनेक कठिनाइयों के बाद भी स्कूल को संचालित रखने के लिए अपनी ओर से सर्वोत्तम प्रयास किया।''

नेली जिम्बाब्वे बीआईसी की प्रथम महिला थी जिन्हें 1980 के दशक में राष्ट्रीय कलीसिया कार्यकारिणी बोर्ड में बैठने का अवसर मिला।

नेली मेनोनाइट वर्ल्ड कॉफ्रेंस से सम्बन्धित ऐनाबैपटिस्ट वुमेन थियोलॉलियन्स इन अफ्रीका की पहली अध्यक्षा थी (2003–2010)।

नेली बहुत से कलीसियाई अगुवों की परामर्शदात्री रहीं हैं और वे यह सेवकाई आज भी कर रही हैं। उन्हें ''बीआईसीसी जिम्बाब्वे कॉफ्रेंस के सर्वोत्तम अगुवों में से एक माना जाता है।''

नेली ने जॉन ड्राइवर की पुस्तक *लाइफ इन ख्राइस्ट* में इस शीर्षक से अपनी प्रतिक्रिया दी है, ''द प्लेस ऑफ द होली स्पिरिट इन लोकर कॉंग्रिगेशन,'' यह ऐनाबैपटिस्ट बुक शेल्फ में स्थान पाने वाली एक पुस्तक है।

नेली एक ऐसी अगुवा है जो जब बोलने को अपना मुँह खोलती है तो लोग रूक कर सुनने को बाध्य हो जाते हैं। वह अब भी कलीसिया के मामलों में सक्रियता से भाग लेती है, यद्यपि अब उनकी आयु 80 वर्ष से ऊपर हो चुकी है।

– बारबरा न्काला के द्वारा एक मेनोनाइट वर्ल्ड कॉफ्रेंस विज्ञप्ति। बारबरा एमडब्ल्यूसी के लिए दक्षिण अफ्रीका की क्षेत्रीय प्रतिनिधि है। वे कान्टेमप्री बीआईसीसी वुमेन प्रीचर्स (1960 के दशक से लेकर 2010 के दशक तक) एट क्रॉसिंग द लाइनः वुमेन ऑफ ऐनाबैपटिस्ट ट्रेडिशन्स इन्काउंटर बार्डर्स एण्ड बाऊंडरिज़ *विषय पर अमरीका के वर्जिनिया की ईस्टर्न मेनोनाइट यूनिवर्सिटी, हेरिसबर्ग में व्याख्यान दे चुकी हैं।*